SN – 072

III Semester B.C.A./B.Sc. FAD Examination, November/December 2014
(Fresh) (2014-15 & Onwards)
HINDI LANGUAGE (Paper – III)
Hindi Natak Aur Nibandh

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(1×10=10)**

1) होरी के गाय को कौन ले जाता है ?
2) गोबर कौन था ?
3) धनिया किससे झगड़ा करती है ?
4) होरी की आयु क्या है ?
5) गोदान में धनिया कितने आने देती है ?
6) लखनऊ में कौन व्यापार करता था ?
7) पटेश्वरी किसको गोली से मारने के लिए कहता है ?
8) गोबर नाक में दम कर दिया, रत्ती भर तमीज़ नहीं कहकर किसको डाँटता हैं ?
9) होरी के कितने भाई थे ?
10) दरोग को देखकर कौन डरता है ?

BMSCW

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(3×8=24)**

1) यह, खुशामद फिर करना। इस वक्त तो मुझे पचास रुपए दिलवाइए नकद। मैं पन्द्रह मिनट का समय देता हूँ ।
2) मेहरिया रख लेना पाप नहीं, हाँ रखकर छोड़ देना पाप है। मेरे तो भाग फूट गए थे कि तुम जैसे मर्द से पाला पड़ा।
3) ''क्या चार दिन में ही तुम्हारा मन मुझसे भर गया। तुमने तो वचन दिया था कि जीते-जी तुम्हें न बेचूँगा। यही वचन था तुम्हारा।
4) भला आदमी वही है जो दूसरों की बहु-बेटी को अपनी बहु-बेटी समझे।
5) तुम्ही लोगों ने इस सबका मिज़ाज बिगाड दिया है। तीस रुपए दिए और अब दो सौ लेगा और डाँट ऊपर से बचाएगा।

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×16=32)

1) होरी नाटक का संक्षिप्त सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2) 'होरी' और 'धनिया' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3) होरी नाटक में वर्णित संघर्षों को विस्तार से लिखिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (2×7=14)

1) दातादीन

2) गोबर

3) रूपा

BMSCW

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : (1×10=10)

1) साहित्य और समाज।

2) जन संचार माध्यम।

VI. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण करके शीर्षक दीजिए : (1×10=10)

बापूजी की प्रेरणा से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा का स्थान मिला है। उन्होंने ही सुदूर दक्षिण में अपने विश्वास पात्र कार्यकर्ताओं को हिन्दी प्रचार करने के लिए भेजा। उनका विश्वास था कि संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बाँधने के लिए हिन्दी अत्यन्त आवश्यक है। उनका स्पष्ट मत यह था कि बहुत दिनों तक किसी विदेशी भाषा के प्राशासनिक कार्यों में प्रयुक्त करना ठीक नहीं है। भारत एक बृहत देश है। यहाँ प्रत्येक प्रांत की भाषा भिन्न है। राष्ट्रभाषा तथा प्रांतीय भाषाओं में कोई विरोध नहीं है। दोनों के क्षेत्र भिन्न-भिन्न एवं निश्चित है। राष्ट्रभाषा की उन्नति के साथ-साथ प्रांतीय भाषा एवं साहित्य की उन्नति वांछनीय है।